नेटवर्क मार्केटिंग

डॉ. उज्जवल पाटनी

कितना सच | कितना झूठ

संशोधित संस्करण

नेटवर्क मार्केटिंग

कितना सच
कितना झूठ

DIAMOND BOOKS

eISBN: 978-93-5278-162-1
© प्रकाशकाधीन
प्रकाशक: मेंडिडेन्ट इंडिया बुक्सि.
X-30 ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II
नई दिल्ली-110020
फोन: 011-40712100, 41611861
फैक्स: 011-41611866
ई-मेल: ebooks@dpb.in
वेबसाइट: www.diamondbook.in
संस्करण: 2016
कितना सच कितना झूठ
लेखक: डॉ. उज्जवल पाटनी

अनुक्रमणिका

मेरे मन की बात
नेटवर्कर परास्त क्यों होते हैं
नेटवर्क मार्केटिंग-धारणाएँ और सच्चाई
एम एल एम की शुरुआत कैसे करें
ना सुनने के छः उसूल
खरी-खरी...डायमंड हुड का सच
नेटवर्क मार्केटिंग को समझें कहानियों से
अपलाइन पुराण
डाउनलाइन पुराण
प्रशिक्षण एवं कोचिंग ही जान है
कार्यशाला एवं सेमिनार की जानकारी

मेरे मन की बात

आप नेटवर्क मार्केटिंग के क्षेत्र में पुराने हैं, आप ज्ञानी हैं, आपको इस फील्ड के बारे में सब कुछ मालूम है, आपको सारी नेटवर्क कंपनियों की जानकारी है, आपने अनेक श्रेष्ठ लेखकों की किताबें पढ़ी हैं, आपने एक से बढ़कर एक टेप सुने हैं और वीडियो देखे हैं, आप नेटवर्क मार्केटिंग पर शास्त्र लिखने की योग्यता रखते हैं ।

"लेकिन क्या आप डायमण्ड हैं" ?

आप कितना जानते हैं, वह महत्त्वपूर्ण नहीं है, महत्त्वपूर्ण यह है कि आप कितना अमल करते हैं । हो सकता है कि आप 100 सूत्र जानते हैं लेकिन सिर्फ 5 सूत्रों का ही पालन करते हों और एक दूसरा व्यक्ति सिर्फ 20 सूत्र जानता है लेकिन उसमें से 15 का पालन करता है तो वह दूसरा व्यक्ति सफलता के लिये आपसे ज्यादा योग्य है ।

सुप्रसिद्ध फिल्म 'लगान' का वह सीन याद करिए जब सरदार देवासिंह आकर टीम में शामिल होने की इच्छा जाहिर करता है । यह सुनकर एलिजाबेथ पूछती है कि तुम क्रिकेट के बारे में क्या जानते हो । देवासिंह जवाब देता है- मैं सिर्फ दो बात जानता हूँ कि जब भी गेंद फेंकूँ तो गिल्लियाँ बिखेर दूँ और जब भी गेंद को मारूँ तो गेंद सीमा के बाहर जा गिरे ।

इन्हीं लाइनों में जीवन का मर्म छुपा है । आप सिर्फ उतनी ही जानें जितनी बातें काम की हैं और उन पर पूरी ताकत लगा दें तो आपकी सफलता को कोई नहीं रोक सकता । इसके विपरीत आपका ज्ञान भंडार तो बहुत विशाल है, लेकिन उपयोग में नहीं आता है तो आपकी विफलता को कोई नहीं रोक सकता । इस कृति को पड़ने के बाद आपकी कई धारणाएँ टूटेगी । कुछ बातों पर विश्वास होगा तो कुछ पर अविश्वास, लेकिन एक बात तय है कि आपकी सोचने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी । एक बार सोचने की प्रक्रिया शुरू हो गई तो सुधरने की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी ।

इस कृति को अमली जामा पहनाने का साहस मुझे ''नेटवर्क मार्केटिंग-जुडो जोडो जीतो'' की अपार सफलता से मिला । हर रोज सुबह पाँच बजे से लेकर रात दो बजे तक पाठकों के फोन कॉल्स ने मुझे प्रेरणा दी । ज्ञान हुआ कि कितनी ज्यादा तादाद में लोग इस व्यापार के माध्यम से सुनहरे भविष्य का सपना संजोए हुए हैं । मुझे ट्रेनिंग हेतु आमंत्रित करने वाली कंपनियों का, पाठकों का तथा परिवारजनों का मैं हृदय से आभारी हूँ । इस पुस्तक को लिखने के दौरान मेरे घर में लक्ष्मी के रूप में मेरी नन्हीं बिटिया ''किरन्या'' का आगमन हुआ जिससे मेरे परिवार को संपूर्णता मिली । नन्हीं ''किरन्या'' को यह पुस्तक पापा की प्रथम भेंट है

आभार, शुक्रिया, धन्यवाद

इस ईमानदार लेखनी को आपकी प्रतिक्रिया का इंतजार रहेगा ।

Ujjwal Patni

मेरे जीवन की प्रार्थना

नीचे लिखी प्रार्थना मैंने स्वयं के, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिये लिखी थी और आज हजारों लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बना चुके हैं । आप भी इसे अपना सकते है।

प्रभु, तुम मुझे शक्ति दो, खुद पर करूं विश्वास
मेरे लिए है जमीं, मेरे लिए है आकाश

जो कुछ भी मैं ठान लूँ, पूरा मैं उसको करूं,
चाहे हो बाधा कोई, न मैं रुकूँ ना डरूं,

उन सबको मेरा नमन, जिनसे यह जीवन मिला,
गुरुजन और माता-पिता, त्रुटियों को करना क्षमा,

पाना है मुझको शिखर, खुशियाँ ही खुशियाँ जहाँ,
सपने हैं मेरे बड़े, प्रभु रखना अपनी दया